शुभ प्रभात बच्चों,

कल हमने वीर तुम बढ़े चलो कविता पढ़ा। आज कविता का अर्थ समझने की बारी है।

अर्थ-

इस कविता के कवि श्री द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी जी इस देश के वीर बच्चों से कह रहे है कि वीर तुम धैर्य के साथ हाथ में तिरंगा झंडा लिए आगे बढ़ो और हमारे रास्ते में चाहे जो भी परेशानियां आए उसका हमें डट्ट कर सामना करना चाहिए।

शब्दार्थ

धीर-धैर्यवान

निडर -जो किसी से न डरे

ध्वजा-पताका

प्रातः-सवेरा,सुबह

दल-समूह

सूर्य- सूरज

सिंह- शेर

चंद्र- चांद

दहाड़-शेर की आवाज (दहाड़ना)

गृहकार्य

कविता की मूल भावना को समझते हुए कविता कंठस्थ करे तथा शब्दार्थ भी लिखे व याद करें।